बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहीम का आंकड़ा हुआ 284000 पार

छोटीबड़ीबात

दैनिक भास्कर

झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से

मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा पाठ: बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000 पार

भास्कर ब्यूरो

गुरुग्राम। मंगलवार को सनातन धर्म, गौरी शंकर मंदिर सेक्टर - 7 एक्सटेंशन, गुरुग्राम में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गजेंद्र गोसाई शाम 5 बजे कन्याकुमारी से लेंड किये पर उसके बावजूद समय पर पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमें सूत्रधार के रुप में ज्योत्सना बजाज और धर्मेंद्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। यानी 6300 पाठ हुए । श्री सीकरी के उद्बोधन से लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

इस अवसर पर जाने माने समाज सेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओ.पी कालरा, केदारनाथ मक्कड़, सतपाल नासा, दलीप लूथरा प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूए दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी, राम लाल ग्रोवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा , मुल्खराज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज, रचना बजाज, मीनाक्षी मुंजाल, सुंदरी कालरा, सुदेश वाधवा, डॉ. वीना अरोड़ा, यजमान महिंदर गाबा एवं हरीश वर्मा, ज्योति गाबा एवं कंचन वर्मा तथा राजपाल आहूजा, जगदीश मेहता, रमेश खनेजा, जितेंद्र थरेजा, नवीन कुमार, कैलाश सेठी, निर्मला चोपड़ा, चंद्र पोपली, सरला कुमार, कांत मक्कड़, संतोष पाहुजा, सिमरन, मनोज गुप्ता, निधि गुप्ता, राकेश बवेजा, राजपाल नासा, उपस्थित रहे।

मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा : सीकरी

श्री हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम में पहुंचे भक्तजन।

गुड़गांव, 23 अगस्त (ब्यूरो): सनातन धर्म, गौरी शंकर मंदिर सेक्टर - 7 एक्सटेंशन, गुरुग्राम में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गजेंद्र गोसाई शाम 5 बजे कन्याकुमारी से लेंड किये पर उसके बावजूद समय पर पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमें सूत्रधार के रुप में ज्योत्सना बजाज और धर्मेंद्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। यानी 6300 पाठ हुए। हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य का शुभारंभ तुलसीकृत रामायण की चौपाई से किया "होई है वही जो राम रचि राखा। उनके के कथनानुसार ईश्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता है। मुहिम में अब तक ये आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई। इस अवसर पर समाजसेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओ.पी कालरा, केदारनाथ मक्कड़, सतपाल नासा, दलीप लूथरा प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूए दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी, राम लाल ग्रोवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा , मुल्खराज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज, रचना बजाज, मीनाक्षी मुंजाल, सुंदरी कालरा, सुदेश वाधवा, डॉ. वीना अरोड़ा, यजमान महिंदर गाबा एवं हरीश वर्मा, ज्योति गाबा आदि उपस्थित रहे।

मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा : सीकरी

श्री हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम में पहुंचे भक्तजन।

गुड़गांव, 23 अगस्त (ब्यूरो): सनातन धर्म, गौरी शंकर मंदिर सेक्टर - 7 एक्सटेंशन, गुरुग्राम में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गजेंद्र गोसाई शाम 5 बजे कन्याकुमारी से लैंड किये पर उसके बावजूद समय पर पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमें सूत्रधार के रुप में ज्योत्सना बजाज और धर्मेंद्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। यानी 6300 पाठ हुए। हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य का शुभारंभ तुलसीकृत रामायण की चौपाई से किया " होई है वही जो राम रचि राखा। उनके के कथनानुसार ईस्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता है। मुहिम में अब तक ये आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई। इस अवसर पर समाजसेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओ.पी कालरा, केदारनाथ मक्कड़, सतपाल नासा, दलीप लूथरा प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूए दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी, राम लाल ग्रोवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा , मुल्खराज बाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति शर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज, रचना बजाज, मीनाक्षी मुंजाल, सुंदरी कालरा, सुदेश बाधवा, डॉ. वीना अरोड़ा, यजमान महिंदर गाबा एवं हरीश वर्मा, ज्योति गाबा आदि उपस्थित रहे।

अमर भारती
04 प्रदेश, 06 संस्करण
एक उम्मीद

हनुमान चालीसा पाठ मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यमः बोधराज सीकरी

▶ हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000 पार

अमर भारती संवाददाता

गुरुग्राम। सनातन धर्म गौरी शंकर मंदिर सेक्टर-7 एक्सटेंशन में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गजेंद्र गोसाई ने चालीसा का पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। ज्योत्सना बजाज और धर्मेंद्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। 300 से अधिक श्रद्धालु मंदिर के प्रांगण के अंदर और अनेक श्रद्धालु बाहर खड़े होकर के हनुमान चालीसा पाठ कर रहे थे। इस आयोजन में युवा पीढ़ी अब आगे बढ़-चढकर कर भाग ले रही है। हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य का शुभारंभ तुलसीकृत रामायण की चौपाई से किया। बोधराज सीकरी ने कहा कि ईश्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता है। फ्लायर पार्क सुशस्त लोक में 7 लोगों ने पांच-पांच बार पाठ किया। गढ़ी-हरसरू में माता वैष्णो देवी मंदिर में 15 लोगों ने 5 बार पाठ किया। जामपुर शिव मंदिर में 31 लोगों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त बोधराज सीकरी की 44 लोगों की मित्र मंडली सुरेंद्र खुल्लर प्रधान केंद्रीय सनातन धर्म सभा की अगुवाई में कन्याकुमारी रामेश्वरम और मदुरै मीनाक्षी गए। सभी ने रोजाना 1-1 बार पाठ किया। कुल 264 बार पाठ हुए। अब तक ये आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई। इस आयोजन में समाज सेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओपी कालरा, केदारनाथ मक्कड़, सतपाल नासा, दलीप लूथरा प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूए दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी, राम लाल ग्रोवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा, मुल्खराज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज समेत अनेक लोगों की भूमिका रही।

www.gurgaontoday.in

गुड़गांव टुडे

हनुमान चालीसा पाठ मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम : बोधराज सीकरी

- **हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000 पार।**

गुड़गांव टुडे, गुरुग्राम

सनातन धर्म गौरी शंकर मंदिर सेक्टर-7 एक्सटेंशन में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गजेंद्र गोसाई नेचालीसा का पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया।ज्योत्सना बजाज और धर्मेंद्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया।

300 से अधिक श्रद्धालु मंदिर के प्रांगण के अंदर और अनेक श्रद्धालु बाहर खड़े होकर के हनुमान चालीसा पाठ कर रहे थे। इस आयोजन में युवा पीढ़ी अब आगे बढ़-चढ़कर कर भाग ले रही है। हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य का शुभारंभ तुलसीकृत रामायण की चौपाई से किया। बोधराज सीकरी ने कहा कि ईश्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता है।

फ्लायर पार्क सुशस्त लोक में 7 लोगों ने पांच-पांच बार पाठ किया। गढ़ी-हरसरू में माता वैष्णो देवी मंदिर में 15 लोगों ने 5 बार पाठ किया। जामपुर शिव मंदिर में 31 लोगों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त बोधराज सीकरी की 44 लोगों की मित्र मंडली सुरेंद्र खुल्लर प्रधान केंद्रीय सनातन धर्म सभा की अगुवाई में कन्याकुमारी रामेश्वरम और मदुरै मीनाक्षी गए। सभी ने रोजाना 1-1 बार पाठ किया। कुल 264 बार पाठ हुए। अब तक ये आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई।

इस आयोजन में समाज सेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओपी कालरा, केदारनाथ मक्कड़, सतपाल नासा, दलीप लूथरा प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूए दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी, राम लाल ग्रोवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा, मुल्खराज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज समेत अनेक लोगों की भूमिका रही।

नये भारत का अखबार
गुड़गांव मेल
हरियाणा के सभी जिलों, चण्डीगढ़ और दिल्ली में प्रसारित

मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा पाठ : बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000 पार

ब्यूरो/गुड़गांव मेल

गुड़गांव, 23 अगस्त। सनातन धर्म, गौरी शंकर मंदिर सेक्टर - 7 एक्सटेंशन, गुरुग्राम में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गजेंद्र गोसाईं शाम 5 बजे कन्याकुमारी से लौट किये पर उसके बावजूद समय पर पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमें सूत्रधार के रूप में ज्योत्सना बजाज और धर्मेंद्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। यानी 6300 पाठ हुए।

यद्यपि मंदिर का प्रांगण छोटा था, उसके बावजूद श्रद्धालुओं की भीड़ हर 5 मिनट के अंदर बढ़ती जा रही थी और खचाखच 300 से अधिक श्रद्धालु मंदिर के प्रांगण के अंदर और ना जाने कितने मंदिर के बाहर खड़े होकर के हनुमान चालीसा पाठ का आनंद ले रहे थे। प्रसन्नता की बात यह है कि इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अब आगे बढ़-चढ़कर के आ रही है। हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य का शुभारंभ तुलसीकृत रामायण की चौपाई से किया :

होई है वही जो राम रचि राखा

बोधराज सीकरी के कथनानुसार ईश्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता है। उन्होंने एक लघु कथा का उदाहरण देकर के कि किस प्रकार काशी विश्वनाथ में एक बूढ़े ब्राह्मण ने तप कर भोले बाबा को प्रसन्न किया और भोले बाबा से संतान का वरदान मांगा। भोले बाबा ने कहा कि आपको सुपुत्र चाहिए या कुपुत्र। पूछने पर भोले बाबा ने स्पष्ट किया कि कुपुत्र लंबा जिएगा और आपकी सेवा नहीं करेगा लेकिन सुपुत्र अल्पायु होगा परन्तु आपकी सेवा करेगा। ब्राह्मण विद्वान थे। उन्होंने सुपुत्र की इच्छा प्रकट की और भोले बाबा ने उन्हें पुत्र तो दिया और बोला मात्र 5 वर्ष यह बालक जिएगा। ब्राह्मण विद्वान थे तो उन्होंने उन पांच वर्षों में उस बालक के अंदर इतने अच्छे आध्यात्मिक संस्कार अंकुरित कर दिए कि जब अंतिम वर्ष आया तो उस बच्चे का रुझान संतों की तरफ हो गया और जो भी संत आये उसे आशीर्वाद देकर जाए। एक दिन ऐसा हुआ कि सप्त ऋषि आए, जब मात्र एक सप्ताह उसका जीवन बाकी था। सप्त ऋषियों ने चिरंजीवी और आयुष्मान का वरदान दिया और ब्राह्मण प्रसन्न हो गया। जब सप्त ऋषियों को मालूम हुआ कि इस बालक की मात्र आयु एक सप्ताह है तो वो चिंतित हुए ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी को प्रणाम किया। ब्रह्मा जी ने सप्त ऋषियों को आयुष्मान भव और चिरंजीवी भव का आशीर्वाद दिया। इसी तरह उस बालक ने भी प्रणाम किया उसे भी वही वरदान दिया। जब ब्रह्मा जी को वास्तविकता मालूम हुई तो वो भी चिंतित हुए और सभी सप्त ऋषि मिलकर ब्रह्मा जी के साथ भगवान शिव के दरबार में गए और शिवजी ने भी सभी को चिरंजीवी होने का आशीर्वाद दिया, चाहे वो ब्रह्मा जी हों, चाहे वो सप्त ऋषि हों, चाहे वो नन्हा सा बालक हो। जब शिवजी को पता चला कि यह तो वही बालक है ब्राह्मण पुत्र जिसको मात्र 5 वर्ष तक जीवन है तो वो बच्चा शिव प्रभु के चरणों में नतमस्तक हो गया और जैसे ही उसका अंतिम समय आया तो उस समय यमराज आया। उस समय बच्चा शिवलिंग के पास बैठकर ॐ नमः शिवाय का जाप कर रहा था और जैसे ही यमराज आया तो उस बच्चे ने शिवलिंग को आलिंगन किया और शिव साक्षात अपने त्रिशूल के साथ प्रकट हुए। उन्होंने यमराज को अपना और उस बच्चे का राज बताया। यमराज उस बच्चे को छोड़कर चला गया और वो बच्चा बड़े होकर ऋषि मार्कण्डेय बना जो चिरंजीवी कहलाते हैं जैसे हनुमान जी अमृत्व प्राप्त कर चुके हैं। इस प्रकार मार्कण्डेय ऋषि ने भी अमृत्व प्राप्त किया है। उनके कहने के अनुसार कि असम्भव भी ईश्वर की कृपा से संभव हो सकता है। बशर्ते हमारा ईश्वर के प्रति समर्पण, हमारा प्रेम, हमारी आस्था, हमारी भक्ति बिल्कुल निःस्वार्थ भाव से हो। बोधराज सीकरी के इस वक्तव्य ने सबका मन गदगद कर दिया।

इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमें सूत्रधार के रूप में ज्योत्सना बजाज और धर्मेंद्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। यानी 6300 पाठ हुए।

लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। इसके अतिरिक्त फ्लावर पार्क सुशान्त लोक में 7 लोगों ने पांच-पांच बार पाठ किया। गढ़ी हरसरू में माता वैष्णोदेवी मंदिर में 15 लोगों ने 5 बार पाठ किया। जानपुर शिव मंदिर में 31 लोगों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त सीकरी जी की 44 लोगों की मित्र मंडली श्री सुरिंदर खुल्लर प्रधान श्री केंद्रीय सनातन धर्म सभा की अगुवाई में कन्याकुमारी रामेश्वरम और मदुरै मीनाक्षी गए और सभी ने रोजाना 1-1 बार पाठ किया। कुल 264 बार पाठ हुए।

मुहिम में अब तक ये आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई।

इस अवसर पर जाने माने समाज सेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओ.पी कालरा, केदारनाथ मक्कड़, सतपाल नासा, दलीप लूथरा प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूए दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी, राम लाल ग्रोवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा, मुल्खराज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज, रचना बजाज, मीनाक्षी मुंजाल, सुंदरी कालरा, सुदेश वाधवा, डॉ. वीना अरोड़ा, यजमान महिंदर गाबा एवं हरीश वर्मा, ज्योति गाबा एवं कंचन वर्मा तथा राजपाल आहूजा, जगदीश मेहता, रमेश खनेजा, जितेंद्र घरेजा, नवीन कुमार, कैलाश सेठी, निर्मला चोपड़ा, चंद्र पोपली, सरला कुमार, कांत मक्कड़, संतोष पाहूजा, सिमरन, मनोज गुप्ता, निधि गुप्ता, राकेश बवेजा, राजकुमार नासा, उपस्थित रहे।

बुलंद खोज

सम्पादक-संजय सार्थक

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 2 लाख 84 हजार के पार

मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा पाठ - बोधराज सीकरी

कार्यक्रम में शामिल बोधराज सीकरी व अन्य।

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार। सैक्टर 7 एक्सटेंशन स्थित श्री गौरी शंकर मंदिर में पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें गजेंद्र गोसाई ने पाठ का शुभारंभ कराया। कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमेंज्योत्सना बजाज और धर्मेंद्र बजाज ने अहम भूमिका निभाई। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। जिसमें कुल 6300 पाठ हुए। मंदिर परिसर छोटा होने के बावजूद श्रद्धालुओं से पूरा परिसर खचाखच भरा रहा। आयोजन में युवा युवा वर्ग भी बड़ी संख्या में शामिल हुआ और हनुमान चालीसा का पाठ किया। बोधराज सीकरी ने कहा कि ईश्वर कृपा से असंभव भी संभव हो सकता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि काशी विश्वनाथ में एक बूढ़े ब्राह्मण ने तप कर भोले बाबा को प्रसन्न किया और भोले बाबा से संतान का वरदान मांगा। भोले बाबा ने कहा कि आपको सुपुत्र चाहिए या कुपुत्र। पूछने पर भोले बाबा ने स्पष्ट किया कि कुपुत्र लंबा जिएगा और आपकी सेवा नहीं करेगा लेकिन सुपुत्र अल्पायु होगा परन्तु आपकी सेवा करेगा। ब्राह्मण विद्वान था। उन्होंने सुपुत्र की इच्छा प्रकट की और भोले बाबा ने उन्हें पुत्र तो दिया और बोला मात्र 5 वर्ष यह बालक जिएगा। ब्राह्मण विद्वान थे तो उन्होंने उन पांच वर्षों में उस बालक के अंदर इतने अच्छे आध्यात्मिक संस्कार अंकुरित कर दिए कि जब अंतिम वर्ष आया तो उस बच्चे का रुझान संतों की तरफ हो गया और जो भी संत आए उसे आशीर्वाद देकर जाए।

एक दिन ऐसा हुआ कि सप्त ऋषि आए जब मात्र एक सप्ताह उसका जीवन बाकी था। सप्त ऋषियों ने चिरंजीवी और आयुष्मान का वरदान दिया और ब्राह्मण प्रसन्न हो गया। जब सप्त ऋषियों को मालूम हुआ कि इस बालक की मात्र आयु एक सप्ताह है तो वो चिंतित हुए ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी को प्रणाम किया। ब्रह्मा जी ने सप्त ऋषियों को आयुष्मान भव और चिरंजीवी भव का आशीर्वाद दिया। इसी तरह उस बालक ने भी प्रणाम किया उसे भी वही वरदान दिया। जब ब्रह्मा जी को वास्तविकता मालूम हुई तो वो भी चिंतित हुए और सभी सप्त ऋषि मिलकर ब्रह्मा जी के साथ भगवान शिव के दरबार में गए और शिवजी ने भी सभी को चिरंजीवी होने का आशीर्वाद दिया, चाहे वो ब्रह्मा जी हों, चाहे वो सप्त ऋषि हों, चाहे वो नन्हा सा बालक हो। जब शिवजी को पता चला कि यह तो वही बालक है ब्राह्मण पुत्र जिसको मात्र 5 वर्ष तक जीवन है तो वो बच्चा शिव प्रभु के चरणों में नतमस्तक हो गया और जैसे ही उसका अंतिम समय आया तो उस समय यमराज आया। उस समय बच्चा शिवलिंग के पास बैठकर ओउम् नमः शिवाय का जाप कर रहा था और जैसे ही यमराज आया तो उस बच्चे ने शिवलिंग को आलिंगन किया और शिव साक्षात अपने त्रिशूल के साथ प्रकट हुए। उन्होंने यमराज को अपना और उस बच्चे का राज बताया। यमराज उस बच्चे को छोड़कर चला गया और वो बच्चा बड़ा होकर ऋषि मार्कण्डेय बना जो चिरंजीवी कहलाते है जैसे हनुमान जी अमृत्व प्राप्त कर चुके है। इस प्रकार मार्कण्डेय ऋषि ने भी अमृत्व प्राप्त किया है। उनके कहने के अनुसार कि असम्भव भी ईश्वर की कृपा से संभव हो सकता है। बशर्ते हमारा ईश्वर के प्रति समर्पण, हमारा प्रेम, हमारी आस्था, हमारी भक्ति बिल्कुल निस्वार्थ भाव से हो। इसके अतिरिक्त फ्लावर पार्क सुशान्त लोक में 7 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। गढ़ी हरसरू में माता वैष्णोदेवी मंदिर में 15 लोगों ने 5 बार पाठ किया। जामपुर शिव मंदिर में 31 लोगों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त सीकरी की 44 लोगों की मित्र मंडली केंद्रीय श्रीसनातन धर्मसभा के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर की अगुवाई में कन्याकुमारी रामेश्वरम और मदुरै मीनाक्षी गए और सभी ने रोजाना 1-1 बार पाठ किया। कुल 264 बार पाठ हुए। मुहिम में अब तक यह आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई। इस अवसर पर समाजसेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओपी कालरा, न्यू कालोनी दशहरा ग्राउण्ड आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दलीप लूथरा, केदारनाथ मक्कड़, सतपाल नासा, राम लाल ग्रोवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा, मुल्खराज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज, रचना बजाज, मीनाक्षी मुंजाल, सुंदरी कालरा, सुदेश वाधवा, डॉ. वीना अरोड़ा, यजमान महिंदर गाबा एवं हरीश वर्मा, ज्योति गाबा एवं कंचन वर्मा तथा राजपाल आहूजा, जगदीश मेहता, रमेश खनेजा, जितेंद्र थरेजा, नवीन कुमार, कैलाश सेठी, निर्मला चोपड़ा, चंद्र पोपली, सरला कुमार, कांत मक्कड़, संतोष पाहूजा, सिमरन, मनोज गुप्ता, निधि गुप्ता, राकेश बवेजा, राजपाल नासा, उपस्थित रहे।

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर

मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा पाठ : बोधराज सीकरी

हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000पार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सनातन धर्म गौरी शंकर मंदिर सेक्टर-7 एक्सटेंशन में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गजेंद्र गोसाई ने चालीसा का पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। ज्योत्सना बजाज और धर्मेंद्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया।

गुरुग्राम के सनातन धर्म गौरी शंकर मंदिर सेक्टर-7 एक्सटेंशन में हनुमान चालीसा पाठ करते बोधराज सीकरी व अन्य श्रद्धालु।

300 से अधिक श्रद्धालु मंदिर के प्रांगण के अंदर और अनेक श्रद्धालु बाहर खड़े होकर के हनुमान चालीसा पाठ कर रहे थे। इस आयोजन में युवा पीढ़ी अब आगे बढ़-चढ़कर कर भाग ले रही है। हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य का शुभारंभ तुलसीकृत रामायण की चौपाई से किया। बोधराज सीकरी ने कहा कि ईश्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता है। फ्लायर पार्क सुशस्त लोक में 7 लोगों ने पांच-पांच बार पाठ किया। गढ़ी-हरसरू में माता वैष्णो देवी मंदिर में 15 लोगों ने 5 बार पाठ किया। जामपुर शिव मंदिर में 31 लोगों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त बोधराज सीकरी की 44 लोगों की मित्र मंडली सुरेंद्र खुल्लर प्रधान केंद्रीय सनातन धर्म सभा की अगुवाई में कन्याकुमारी रामेश्वरम और मदुरै मीनाक्षी गए। सभी ने रोजाना 1-1 बार पाठ किया। कुल 264 बार पाठ हुए। अब तक ये आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई।

इस आयोजन में समाज सेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओपी कालरा, केदारनाथ मक्कड़, सतपाल नासा, दलीप लूथरा प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूए दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी, राम लाल ग्रोवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा, मुल्खराज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज समेत अनेक लोगों की भूमिका रही।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, हरियाणा (पलवल) एवं उत्तर-प्रदेश (बुलंदशहर एवं मुरादाबाद) से एक साथ प्रकाशित

देव केसरी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000 पार

देव केसरी / अरविन्द चन्दन

गुरुग्राम। दिनांक 22 अगस्त, मंगलवार को सनातन धर्म, गौरी शंकर मंदिर सेक्टर - 7 एक्सटेंशन, गुरुग्राम में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गजेंद्र गोसाई शाम 5 बजे कन्याकुमारी से लेंड किये पर उसके बावजूद समय पर पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमें सूत्रधार के रुप में ज्योत्सना बजाज और धर्मेंद्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। यानी 6300 पाठ हुए। यद्यपि मंदिर का प्रांगण छोटा था, उसके बावजूद श्रद्धालुओं की भीड़ हर 5 मिनट के अंदर बढ़ती जा रही थी और खचाखच 300 से अधिक श्रद्धालु मंदिर के प्रांगण के अंदर और ना जाने कितने मंदिर के बाहर खड़े होकर के हनुमान चालीसा पाठ का आनंद ले रहे थे। प्रसन्नता की बात यह है कि इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अब आगे बढ़-चढ़कर के आ रही है। हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य का शुभारंभ तुलसीकृत रामायण की चौपाई से किया

होई है वही जो राम रचि राखा

बोधराज सीकरी के कथनानुसार ईश्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता है। उन्होंने एक लघु कथा का उदाहरण देकर के कि किस प्रकार काशी विश्वनाथ में एक बूढ़े ब्राह्मण ने तप कर भोले बाबा को प्रसन्न किया और भोले बाबा से संतान का वरदान मांगा। भोले बाबा ने कहा कि आपको सुपुत्र चाहिए या कुपुत्र। पूछने पर भोले बाबा ने स्पष्ट किया कि कुपुत्र लंबा जिएगा और आपकी सेवा नहीं करेगा लेकिन सुपुत्र अल्पायु होगा परन्तु आपकी सेवा करेगा। ब्राह्मण विद्वान थे।

हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 2 लाख 84 हजार के पार

मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा पाठ : बोधराज सीकरी।

दैनिक भरोसा/एमके अरोड़ा ब्यूरो चीफ

कार्यक्रम में शामिल बोधराज सीकरी व अन्य।

गुरुग्राम। सैक्टर 7 एक्सटेंशन स्थित श्री गौरी शंकर मंदिर में पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें गजेंद्र गोसाई ने पाठ का शुभारंभ कराया। कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमेंज्योत्सना बजाज और धर्मेंद्र बजाज ने अहम भूमिका निभाई। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। जिसमें कुल 6300 पाठ हुए। मंदिर परिसर छोटा होने के बावजूद श्रद्धालुओं से पूरा परिसर खचाखच भरा रहा। आयोजन में युवा युवा वर्ग भी बड़ी संख्या में शामिल हुआ और हनुमान चालीसा का पाठ किया। बोधराज सीकरी ने कहा कि ईश्वर कृपा से असंभव भी संभव हो सकता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि काशी विश्वनाथ में एक बूढ़े ब्राह्मण ने तप कर भोले बाबा को प्रसन्न किया और भोले बाबा से संतान का वरदान मांगा। भोले बाबा ने कहा कि आपको सुपुत्र चाहिए या कुपुत्र। पूछने पर भोले बाबा ने स्पष्ट किया कि कुपुत्र लंबा जिएगा और आपकी सेवा नहीं करेगा लेकिन सुपुत्र अल्पायु होगा परन्तु आपकी सेवा करेगा। ब्राह्मण विद्वान था। उन्होंने सुपुत्र की इच्छा प्रकट की और भोले बाबा ने उन्हें पुत्र तो दिया और बोला मात्र 5 वर्ष यह बालक जिएगा। ब्राह्मण विद्वान थे तो उन्होंने उन पांच वर्षों में उस बालक के अंदर इतने अच्छे आध्यात्मिक संस्कार अंकुरित कर दिए कि जब अंतिम वर्ष आया तो उस बच्चे का रुझान संतों की तरफ हो गया और जो भी संत आए उसे आशीर्वाद देकर जाए। एक दिन ऐसा हुआ कि सप्त ऋषि आए जब मात्र एक सप्ताह उसका जीवन बाकी था। सप्त ऋषियों ने चिरंजीवी और आयुष्मान का वरदान दिया और ब्राह्मण प्रसन्न हो गया। जब सप्त ऋषियों को मालूम हुआ कि इस बालक की मात्र आयु एक सप्ताह है तो वो चिंतित हुए ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी को प्रणाम किया। ब्रह्मा जी ने सप्त ऋषियों को आयुष्मान भव और चिरंजीवी भव का आशीर्वाद दिया। इसी तरह उस बालक ने भी प्रणाम किया उसे भी वही वरदान दिया। जब ब्रह्मा जी को वास्तविकता मालूम हुई तो वो भी चिंतित हुए और सभी सप्त ऋषि मिलकर ब्रह्मा जी के साथ भगवान शिव के दरबार में गए और शिवजी ने भी सभी को चिरंजीवी होने का आशीर्वाद दिया, चाहे वो ब्रह्मा जी हों, चाहे वो सप्त ऋषि हों, चाहे वो नन्हा सा बालक हो। जब शिवजी को पता चला कि यह तो वही बालक है ब्राह्मण पुत्र जिसको मात्र 5 वर्ष तक जीवन है तो वो बच्चा शिव प्रभु के चरणों में नतमस्तक हो गया और जैसे ही उसका अंतिम समय आया तो उस समय यमराज आया। उस समय बच्चा शिवलिंग के पास बैठकर ओउम् नमः शिवाय का जाप कर रहा था और जैसे ही यमराज आया तो उस बच्चे ने शिवलिंग को आलिंगन किया और शिव साक्षात अपने त्रिशूल के साथ प्रकट हुए। उन्होंने यमराज को अपना और उस बच्चे का राज बताया। यमराज उस बच्चे को छोड़कर चला गया और वो बच्चा बड़ा होकर ऋषि मार्कण्डेय बना जो चिरंजीवी कहलाते हैं जैसे हनुमान जी अमृत्व प्राप्त कर चुके हैं। इस प्रकार मार्कण्डेय ऋषि ने भी अमृत्व प्राप्त किया है। उनके कहने के अनुसार कि असम्भव भी ईश्वर की कृपा से संभव हो सकता है। बशर्ते हमारा ईश्वर के प्रति समर्पण, हमारा प्रेम, हमारी आस्था, हमारी भक्ति बिल्कुल निस्वार्थ भाव से हो। इसके अतिरिक्त फ्लावर पार्क सुशान्त लोक में 7 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। गढ़ी हरसरू में माता वैष्णोदेवी मंदिर में 15 लोगों ने 5 बार पाठ किया। जामपुर शिव मंदिर में 31 लोगों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त सीकरी की 44 लोगों की मित्र मंडली केंद्रीय श्रीसनातन धर्मसभा के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर की अगुवाई में कन्याकुमारी रामेश्वरम और मदुरै मीनाक्षी गए और सभी ने रोजाना 1-1 बार पाठ किया। कुल 264 बार पाठ हुए। मुहिम में अब तक यह आंकड़ा 2 लाख 8 4 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई। इस अवसर पर समाजसेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओपी कालरा, न्यू कालोनी दशहरा ग्राउण्ड आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दलीप लूथरा, केदारनाथ मक्कड़, सतपाल नासा, राम लाल ग्रोवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा, मुल्खराज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज, रचना बजाज, मीनाक्षी मुंजाल, सुंदरी कालरा, सुदेश वाधवा, डॉ. वीना अरोड़ा, यजमान महिंदर गाबा एवं हरीश वर्मा, ज्योति गाबा एवं कंचन वर्मा तथा राजपाल आहूजा, जगदीश मेहता, रमेश खनेजा, जितेंद्र धरेजा, नवीन कुमार, कैलाश सेठी, निर्मला चोपड़ा, चंद्र पोपली, सरला कुमार, कांत मक्कड़, संतोष पाहुजा, सिमरन, मनोज गुप्ता, निधि गुप्ता, राकेश बवेजा, राजपाल नासा, उपस्थित रहे।

हरियाणा का सर्वमान्य लोकप्रिय हिन्दी दैनिक | E-paper : http://jagatkranti.co.in | E-mail: jagatkrantijind@gmail.com | जींद (हरियाणा) से प्रकाशित

राष्ट्रीय दैनिक
जगत क्रान्ति

वर्ष : 44 | अंक : 233 | जींद | गुरुवार, 24 अगस्त, 2023 | पृष्ठ 12 | मूल्य 3 रुपए

हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा 2.84 लाख के पार

मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा पाठ : सीकरी

जगत क्रान्ति ⏭ एमके अरोड़ा

गुरुग्राम : सैक्टर 7 एक्सटेंशन स्थित श्री गौरी शंकर मंदिर में पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें गजेंद्र गोसाई ने पाठ का शुभारंभ कराया। कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमेंज्योत्सना बजाज और धर्मेंद्र बजाज ने अहम भूमिका निभाई। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। जिसमें कुल 6300 पाठ हुए। मंदिर परिसर छोटा होने के बावजूद श्रद्धालुओं से पूरा परिसर खचाखच भरा रहा। आयोजन में युवा युवा वर्ग भी बड़ी संख्या में शामिल हुआ और हनुमान चालीसा का पाठ किया। बोधराज सीकरी ने कहा कि ईश्वर कृपा से असंभव भी संभव हो सकता है।

इसके अतिरिक्त फ्लायर पार्क सुशस्त लोक में 7 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। गढ़ी हरसरू में माता वैष्णोदेवी मंदिर में 15 लोगों ने 5 बार पाठ किया। जामपुर शिव मंदिर में 31 लोगों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त सीकरी की 44 लोगों की मित्र मंडली केंद्रीय श्रीसनातन धर्मसभा के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर की अगुवाई में कन्याकुमारी रामेश्वरम और मदुरै मीनाक्षी गए और सभी ने रोजाना 1-1 बार पाठ किया। कुल 264 बार पाठ हुए। मुहिम में अब तक यह आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई। इस अवसर पर समाजसेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओपी कालरा, न्यू कालोनी दशहरा ग्राउण्ड आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दलीप लूथरा, केदारनाथ मक्कड़, सतपाल नासा, राम लाल ग्रोवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा, मुल्खराज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज, रचना बजाज, मीनाक्षी मुंजाल, सुंदरी कालरा, निधि गुप्ता, राकेश बवेजा, राजपाल नासा, उपस्थित रहे।

Postal No. : P/BWN/47/2023-2025
E-mail : haryanakiaawaz@gmail.com
www.haryanakiaawaz.in

सबसे तेज... सबसे आगे

हरियाणा की आवाज

भिवानी, चंडीगढ़, हिसार से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्रवादी हिन्दी दैनिक

वर्ष : 15 अंक : 70 | भिवानी गुरूवार 24 अगस्त 2023 | मूल्य : 3.00 रूपया | कुल पृष्ठ : 8

8:14 AM

मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा पाठ: बोधराज सीकरी

हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000 पार

गुरुग्राम। सनातन धर्म गौरी शंकर मंदिर सैक्टर-7 एक्सटेंशन में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गजेंद्र गोसाई ने चालीसा का पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। ज्योत्सना बजाज और धर्मेंद्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। 300 से अधिक श्रद्धालु मंदिर के प्रांगण के अंदर और अनेक श्रद्धालु बाहर खड़े होकर के हनुमान चालीसा पाठ कर रहे थे। इस आयोजन में युवा पीढ़ी अब आगे बढ़-चढ़कर कर भाग ले रही है। हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य का शुभारंभ तुलसीकृत रामायण की चौपाई से किया। बोधराज सीकरी ने कहा कि ईश्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता है। फ्लायर पार्क सुशस्त लोक में 7 लोगों ने पांच-पांच बार पाठ किया। गढ़ी-हरसरू में माता वैष्णो देवी मंदिर में 15 लोगों ने 5 बार पाठ

किया। जामपुर शिव मंदिर में 31 लोगों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त बोधराज सीकरी की 44 लोगों की मित्र मंडली सुरेंद्र खुल्लर प्रधान केंद्रीय सनातन धर्म सभा की अगुवाई में कन्याकुमारी रामेश्वरम और मदुरै मीनाक्षी गए। सभी ने रोजाना 1-1 बार पाठ किया। कुल 264 बार पाठ हुए। अब तक ये आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई। इस आयोजन में समाज सेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओपी कालरा, केदारनाथ मक्कड़, सतपाल नासा, दलीप लूथरा प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूए दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी, राम लाल ग्रोवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा, मुल्खराज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज समेत अनेक लोगों की भूमिका रही।

8:14 AM

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
ओपन सर्च
TITLE CODE :- HARHIN11545

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000 पार

मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा पाठ : बोधराज सीकरी

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता सतबीर भारद्वाज

गुरुग्राम। दिनांक 22 अगस्त, मंगलवार को सनातन धर्म, गौरी शंकर मंदिर सेक्टर - 7 एक्सटेंशन, गुरुग्राम में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गजेंद्र गोसाई शाम 5 बजे कन्याकुमारी से लेंड किये पर उसके बावजूद समय पर पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमें सूत्रधार के रुप में ज्योत्सना बजाज और धर्मेंद्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। यानी 6300 पाठ हुए। यद्यपि मंदिर का प्रांगण छोटा था, उसके बावजूद श्रद्धालुओं की भीड़ हर 5 मिनट के अंदर बढ़ती जा रही थी और खचाखच 300 से अधिक श्रद्धालु मंदिर के प्रांगण के अंदर और ना जाने कितने मंदिर के बाहर खड़े होकर के हनुमान चालीसा पाठ का आनंद ले रहे थे। प्रसन्नता की बात यह है कि इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अब आगे बढ़-चढ़कर के आ रही है। हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य का शुभारंभ तुलसीकृत रामायण की चौपाई से किया : होई है वही जो राम रचि राखा बोधराज सीकरी के कथनानुसार ईश्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता है। उन्होंने एक लघु कथा का उदाहरण देकर के कि किस प्रकार काशी विश्वनाथ में एक बूढ़े ब्राह्मण ने तप कर भोले बाबा को प्रसन्न किया और भोले बाबा से संतान का वरदान मांगा। भोले बाबा ने कहा कि आपको सुपुत्र चाहिए या कुपुत्र। पूछने पर भोले बाबा ने स्पष्ट किया कि कुपुत्र लंबा जिएगा और आपकी सेवा नहीं करेगा लेकिन सुपुत्र अल्पायु होगा परन्तु आपकी सेवा करेगा। ब्राह्मण विद्वान थे। उन्होंने सुपुत्र की इच्छा प्रकट की और भोले बाबा ने उन्हें पुत्र तो दिया और बोला मात्र 5 वर्ष यह बालक जिएगा। ब्राह्मण विद्वान थे तो उन्होंने उन पांच वर्षों में उस बालक के अंदर इतने अच्छे आध्यात्मिक संस्कार अंकुरित कर दिए कि जब अंतिम वर्ष आया तो उस बच्चे का रुझान संतों की तरफ हो गया और जो भी संत आये उसे आशीर्वाद देकर जाए। एक दिन ऐसा हुआ कि सप्त ऋषि आए जब मात्र एक सप्ताह उसका जीवन बाकी था। सप्त ऋषियों ने चिरंजीवी और आयुष्मान का वरदान दिया और ब्राह्मण प्रसन्न हो गया। जब सप्त ऋषियों को मालूम हुआ कि इस बालक की मात्र आयु एक सप्ताह है तो वो चिंतित हुए ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी को प्रणाम किया। ब्रह्मा जी ने सप्त ऋषियों को आयुष्मान भव और चिरंजीवी भव का आशीर्वाद दिया। इसी तरह उस बालक ने भी प्रणाम किया उसे भी वही वरदान दिया। जब ब्रह्मा जी को वास्तविकता मालूम हुई तो वो भी चिंतित हुए और सभी सप्त ऋषि मिलकर ब्रह्मा जी के साथ भगवान शिव के दरबार में गए और शिवजी ने भी सभी को चिरंजीवी होने का आशीर्वाद दिया, चाहे वो ब्रह्मा जी हों, चाहे वो सप्त ऋषि हों, चाहे वो नन्हा सा बालक हो। जब शिवजी को पता चला कि यह तो वही बालक है ब्राह्मण पुत्र जिसको मात्र 5 वर्ष तक जीवन है तो वो बच्चा शिव प्रभु के चरणों में नतमस्तक हो

गया और जैसे ही उसका अंतिम समय आया तो उस समय यमराज आया। उस समय बच्चा शिवलिंग के पास बैठकर ओम नमः शिवाय का जाप कर रहा था और जैसे ही यमराज आया तो उस बच्चे ने शिवलिंग को आलिंगन किया और शिव साक्षात अपने त्रिशूल के साथ प्रकट हुए। उन्होंने यमराज को अपना और उस बच्चे का राज बताया। यमराज उस बच्चे को छोड़कर चला गया और वो बच्चा बड़े होकर ऋषि मार्कण्डेय बना जो चिरंजीवी कहलाते हैं जैसे हनुमान जी अमृत्व प्राप्त कर चुके हैं। इस प्रकार मार्कण्डेय ऋषि ने भी अमृत्व प्राप्त किया है। उनके कहने के अनुसार कि असम्भव भी ईश्वर की कृपा से संभव हो सकता है। बशर्ते हमारा ईश्वर के प्रति समर्पण, हमारा प्रेम, हमारी आस्था, हमारी भक्ति बिल्कुल निःस्वार्थ भाव से हो। बोधराज सीकरी के इस वक्तव्य ने सबका मन गद्‌गद कर दिया। लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। इसके अतिरिक्त फ्लायर पार्क सुशान्त लोक में 7 लोगों ने पांच-पांच बार पाठ किया। गढ़ी हरसरू में माता वैष्णोदेवी मंदिर में 15 लोगों ने 5 बार पाठ किया। जामपुर शिव मंदिर में 31 लोगों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त सीकरी जी की 44 लोगों की मित्र मंडली श्री सुरिंदर खुल्लर प्रधान श्री केंद्रीय सनातन धर्म सभा की अगुवाई में कन्याकुमारी रामेश्वरम और मदुरै मीनाक्षी गए और सभी ने रोजाना 1-1 बार पाठ किया।

कुल 264 बार पाठ हुए। मुहिम में अब तक ये आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई। इस अवसर पर जाने माने समाज सेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओ.पी कालरा, केदारनाथ मक्कड़, सतपाल नासा, दलीप लूथरा प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूए दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी, राम लाल ग्रोवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा , मुल्खराज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज, रचना बजाज, मीनाक्षी मुंजाल, सुंदरी कालरा, सुदेश वाधवा, डॉ. वीना अरोड़ा, यजमान महिंदर गाबा एवं हरीश वर्मा, ज्योति गाबा एवं कंचन वर्मा तथा राजपाल आहूजा, जगदीश मेहता, रमेश खनेजा, जितेंद्र धरेजा, नवीन कुमार, कैलाश सेठी, निर्मला चोपड़ा, चंद्र पोपली, सरला कुमार, कांत मक्कड़, संतोष पाहुजा, सिमरन, मनोज गुप्ता, निधि गुप्ता, राकेश बवेजा, राजपाल नासा, उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
ह्यूमन इंडिया
हम बनेंगे आपकी आवाज

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000 पार

मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा पाठ : बोधराज सीकरी

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। मंगलवार को सनातन धर्म, गौरी शंकर मंदिर सेक्टर - 7 एक्सटेंशन, गुरुग्राम में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गजेंद्र गोसाई शाम 5 बजे कन्याकुमारी से लैंड किये पर उसके बावजूद समय पर पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमें सूत्रधार के रुप में ज्योत्सना बजाज और धर्मेंद्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। यानी 6300 पाठ हुए।

यद्यपि मंदिर का प्रांगण छोटा था, उसके बावजूद श्रद्धालुओं की भीड़ हर 5 मिनट के अंदर बढ़ती जा रही थी और खचाखच 300 से अधिक श्रद्धालु मंदिर के प्रांगण के अंदर और ना जाने कितने मंदिर के बाहर खड़े होकर के हनुमान चालीसा पाठ का आनंद ले रहे थे। प्रसन्नता की बात यह है कि इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अब आगे बढ़-चढ़कर के आ रही है। हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य का शुभारंभ तुलसीकृत रामायण की चौपाई से किया :

होई है वही जो राम रचि राखा

बोधराज सीकरी के कथनानुसार ईश्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता है। उन्होंने एक लघु कथा का उदाहरण देकर के कि किस प्रकार काशी विश्वनाथ में एक बूढ़े ब्राह्मण ने तप कर भोले बाबा को प्रसन्न किया और भोले बाबा से संतान का वरदान मांगा। भोले बाबा ने कहा कि आपको सुपुत्र चाहिए या कुपुत्र। पूछने पर भोले बाबा ने स्पष्ट किया कि कुपुत्र लंबा जिएगा और आपकी सेवा नहीं करेगा लेकिन सुपुत्र अल्पायु होगा परन्तु आपकी सेवा करेगा। ब्राह्मण विद्वान थे। उन्होंने सुपुत्र की इच्छा प्रकट की और भोले बाबा ने उन्हें पुत्र तो दिया और बोला मात्र 5 वर्ष यह बालक जिएगा। ब्राह्मण विद्वान थे तो उन्होंने उन पांच वर्षों में उस बालक के अंदर इतने अच्छे आध्यात्मिक संस्कार अंकुरित कर दिए कि जब अंतिम वर्ष आया तो उस बच्चे का रुझान संतों की तरफ हो गया और जो भी संत आये उसे आशीर्वाद देकर जाए। एक दिन ऐसा हुआ कि सप्त ऋषि आए जब मात्र एक सप्ताह उसका जीवन बाकी था। सप्त ऋषियों ने चिरंजीवी और आयुष्मान का वरदान दिया और ब्राह्मण प्रसन्न हो गया। जब सप्त ऋषियों को मालूम हुआ कि इस बालक की मात्र आयु एक सप्ताह है तो वो चिंतित हुए ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी को प्रणाम किया। ब्रह्मा जी ने सप्त ऋषियों को आयुष्मान भव और चिरंजीवी भव का आशीर्वाद दिया। इसी तरह उस बालक ने भी प्रणाम किया उसे भी वही वरदान दिया। जब ब्रह्मा जी को वास्तविकता मालूम हुई तो वो भी चिंतित हुए और सभी सप्त ऋषि मिलकर ब्रह्मा जी के साथ भगवान शिव के दरबार में गए और शिवजी ने भी सभी को चिरंजीवी होने का आशीर्वाद दिया, चाहे वो ब्रह्मा जी हों, चाहे वो सप्त ऋषि हों, चाहे वो नन्हा सा बालक हो। जब शिवजी को पता चला कि यह तो वही बालक है ब्राह्मण पुत्र जिसको मात्र 5 वर्ष तक जीवन है तो वो बच्चा शिव प्रभु के चरणों में नतमस्तक हो गया और जैसे ही उसका अंतिम समय आया तो उस समय यमराज आया। उस समय बच्चा शिवलिंग के पास बैठकर ॐ नमः शिवाय का जाप कर रहा था और जैसे ही यमराज आया तो उस बच्चे ने शिवलिंग को आलिंगन किया और शिव साक्षात अपने त्रिशूल के साथ प्रकट हुए। उन्होंने यमराज को अपना और उस बच्चे का राज बताया। यमराज उस बच्चे को छोड़कर चला गया और वो बच्चा बड़े होकर ऋषि मार्कण्डेय बना जो चिरंजीवी कहलाते हैं जैसे हनुमान जी अमृत्व प्राप्त कर चुके हैं। इस प्रकार मार्कण्डेय ऋषि ने भी अमृत्व प्राप्त किया है। उनके कहने के अनुसार कि असम्भव भी ईश्वर की कृपा से संभव हो सकता है। बशर्ते हमारा ईश्वर के प्रति समर्पण, हमारा प्रेम, हमारी आस्था, हमारी भक्ति बिल्कुल निःस्वार्थ भाव से हो। बोधराज सीकरी के इस वक्तव्य ने सबका मन गद्गद कर दिया।

लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। इसके अतिरिक्त फ्लावर पार्क सुशान्त लोक में 7 लोगों ने पांच-पांच बार पाठ किया। वहीं हरसरू में माता वैष्णोदेवी मंदिर में 15 लोगों ने 5 बार पाठ किया। जामपुर शिव मंदिर में 31 लोगों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त सीकरी जी की 44 लोगों की मित्र मंडली श्री सुरिंदर खुल्लर प्रधान श्री केंद्रीय सनातन धर्म सभा की अगुवाई में कन्याकुमारी रामेश्वरम और मदुरै मीनाक्षी गए और सभी ने रोजाना 1-1 बार पाठ किया। कुल 264 बार पाठ हुए।

मुहिम में अब तक ये आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई।

इस अवसर पर जाने माने समाज सेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओ.पी कालरा, केदारनाथ मक्कड़, सतपाल नासा, दलीप लूथरा प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूए दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी, राम लाल ग्रोवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा , मुल्खराज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज, रचना बजाज, मीनाक्षी मुंजाल, सुंदरी कालरा, सुदेश वाधवा, डॉ. वीना अरोड़ा, यजमान महिंदर गाबा एवं हरीश वर्मा, ज्योति गाबा एवं कंचन वर्मा तथा राजपाल आहूजा, जगदीश मेहता, रमेश खनेजा, जितेंद्र धरेजा, नवीन कुमार, कैलाश सेठी, निर्मला चोपड़ा, चंद्र चोपरा, सरला कुमार, कांत मक्कड़, संतोष पाहूजा, सिमरन, मनोज गुप्ता, निधि गुप्ता, राकेश बवेजा, राजपाल नासा, उपस्थित रहे।

ज्योति दर्पण

Website : www.jyotidarpan.com

हिन्दी दैनिक

Krishna
FURNITURE
Celebrating 22 Anniversary
• SECTOR-14
• SECTOR-69
• MG ROAD

मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा पाठ : बोधराज सीकरी

ज्योति दर्पण संवाददाता

गुरुग्राम। सनातन धर्म, गौरी शंकर मंदिर सेक्टर - 7 एक्सटेंशन गुरुग्राम में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। मनोज गोसाईं साय 5 बजे कन्याकुमारी से लौट किये पर उनके मार्गदर्शन सामन पर पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और बत्रा परिवार द्वारा किया गया। जिसमें सूत्रधार के रूप में ज्योत्सना बत्रा और धर्मेंद्र बजाज की विशेष भूमिका रही। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। यानी 6300 पाठ हुए। यद्यपि मंदिर का प्रांगण छोटा था, उसके बावजूद श्रद्धालुओं की भीड़ हर 5 मिनट के अंदर बढ़ती जा रही थी और तकरीबन 300 से अधिक श्रद्धालु मंदिर के प्रांगण के अंदर और ना जाने कितने मंदिर के बाहर खड़े होकर के हनुमान चालीसा पाठ का आनंद ले रहे थे। प्रशंसा की बात यह है कि इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अब आगे बढ़-चढ़कर के आ रही है। हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य का शुभारंभ तुलसीकृत रामायण की चौपाई से किया

होई है वही जो राम रचि राखा

बोधराज सीकरी के कथनानुसार

ईश्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता है। उन्होंने एक लघु कथा का उदाहरण देकर के कि किस प्रकार काशी विश्वनाथ में एक वृद्ध ब्राह्मण ने तप कर भोले बाबा को प्रसन्न किया और भोले बाबा से संतान का वरदान मांगा। भोले बाबा ने कहा कि आपको सुपुत्र चाहिए या कुपुत्र, पूछने पर भोले बाबा ने स्पष्ट किया कि कुपुत्र लंबा जिएगा और आपकी सेवा नहीं करेगा लेकिन सुपुत्र अल्पायु होगा परन्तु आपकी सेवा करेगा। ब्राह्मण विद्वान थे उन्होंने सुपुत्र की इच्छा प्रकट की और भोले बाबा ने उन्हें पुत्र तो दिया और बोला मात्र 5 वर्ष यह बालक जिएगा। ब्राह्मण विद्वान थे तो उन्होंने उन पांच वर्षों में उस बालक के अंदर इतने अच्छे आध्यात्मिक संस्कार अंकुरित कर दिए कि जब अंतिम वर्ष आया तो उस बच्चे का रुझान संतों की तरफ हो गया और जो भी संत आते उसे आशीर्वाद देकर जाते। एक दिन ऐसा हुआ कि सात ऋषि आए, तब मात्र एक सप्ताह उसका जीवन बाकी था। सात ऋषियों ने चिरंजीवी और आयुष्मान का वरदान दिया और ब्राह्मण प्रसन्न हो गया। जब सात ऋषियों को मालूम हुआ कि इस बालक की मात्र आयु एक सप्ताह है तो वो चिंतित हुए ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी को प्रणाम किया। ब्रह्मा जी ने सात ऋषियों को आयुष्मान भव और चिरंजीवी भव का आशीर्वाद दिया। इसी तरह उस बालक ने भी प्रणाम किया उसे भी वही वरदान दिया। जब ब्रह्मा जी को वास्तविकता मालूम हुई तो वो भी चिंतित हुए और सभी एक साथ मिलकर ब्रह्मा जी के साथ भगवान शिव के दरबार में गए और शिवजी ने भी सभी को चिरंजीवी होने का आशीर्वाद दिया, चाहे वो ब्रह्मा जी हों, चाहे वो सप्त ऋषि हों, चाहे वो नन्हा सा बालक हो। जब शिवजी को पता चला कि यह तो वही बालक है ब्राह्मण पुत्र जिसको मात्र 5 वर्ष तक जीवन है तो वो बच्चा शिव प्रभु के चरणों में नतमस्तक हो गया और जैसे ही उसका अंतिम समय आया तो उस समय यमराज आया। उस समय बच्चा शिवलिंग के पास बैठकर ॐ नमः शिवाय का जाप कर रहा था और जैसे ही यमराज आया तो उस बच्चे ने शिवलिंग को आलिंगन किया

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
R.N.I. No. 62787/2014
रण टाइम्स

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000 पार

मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा पाठ :बोधराज सीकरी

राजू गुप्ता

गुरुग्राम, (रण टाइम्स)। मंगलवार को सनातन धर्म, गौरी शंकर मंदिर सेक्टर - 7 एक्सटेंशन, गुरुग्राम में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गजेंद्र गोसाई शाम 5 बजे कन्याकुमारी से लैंड किये पर उसके बावजूद समय पर पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमें सूत्रधार के रुप में ज्योत्सना बजाज और धर्मेंद्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। यानी 6300 पाठ हुए।

यद्यपि मंदिर का प्रांगण छोटा था, उसके बावजूद श्रद्धालुओं की भीड़ हर 5 मिनट के अंदर बढ़ती जा रही थी और खचाखच 300 से अधिक श्रद्धालु मंदिर के प्रांगण के अंदर और ना जाने कितने मंदिर के बाहर खड़े होकर के हनुमान चालीसा पाठ का आनंद ले रहे थे। प्रसन्नता की बात यह है कि इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अब आगे बढ़-चढ़कर के आ रही है। हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य का शुभारंभ तुलसीकृत रामायण की चौपाई से किया ।

होई है वही जो राम रचि राखा

बोधराज सीकरी के कथनानुसार ईश्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता है। उन्होंने एक लघु कथा का उदाहरण देकर के कि किस प्रकार काशी विश्वनाथ में एक बूढ़े ब्राह्मण ने तप कर भोले बाबा को प्रसन्न किया और भोले बाबा से संतान का वरदान मांगा। भोले बाबा ने कहा कि आपको सुपुत्र चाहिए या कुपुत्र। पूछने पर भोले बाबा ने स्पष्ट किया कि कुपुत्र लंबा जिएगा और आपकी सेवा नहीं करेगा लेकिन सुपुत्र अल्पायु होगा परन्तु आपकी सेवा करेगा। ब्राह्मण विद्वान थे। उन्होंने सुपुत्र की इच्छा प्रकट की और भोले बाबा ने उन्हें पुत्र तो दिया और बोला मात्र 5 वर्ष यह बालक जिएगा। ब्राह्मण विद्वान थे तो उन्होंने उन पांच वर्षों में उस बालक के अंदर इतने अच्छे आध्यात्मिक संस्कार अंकुरित कर दिए कि जब अंतिम वर्ष आया तो उस बच्चे का रुझान संतों की तरफ हो गया और जो भी संत आये उसे आशीर्वाद देकर जाए। एक दिन ऐसा हुआ कि सप्त ऋषि आए जब मात्र एक सप्ताह उसका जीवन बाकी था। सप्त ऋषियों ने चिरंजीवी और आयुष्मान का वरदान दिया और ब्राह्मण प्रसन्न हो गया। जब सप्त ऋषियों को मालूम हुआ कि इस बालक की मात्र आयु एक सप्ताह है तो वो चिंतित हो ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी को प्रणाम किया। ब्रह्मा जी ने सप्त ऋषियों को आयुष्मान भव और चिरंजीवी भव का आशीर्वाद दिया। इसी तरह उस बालक ने भी प्रणाम किया उसे भी वही वरदान दिया। जब ब्रह्मा जी को वास्तविकता मालूम हुई तो वो भी चिंतित हुए और सभी सप्त ऋषि मिलकर ब्रह्मा जी के साथ भगवान शिव के दरबार में गए और शिवजी ने भी सभी को चिरंजीवी होने का आशीर्वाद दिया, चाहे वो ब्रह्मा जी हों, चाहे वो सप्त ऋषि हों, चाहे वो नन्हा सा बालक हो। जब शिवजी को पता चला कि यह तो वही बालक है ब्राह्मण पुत्र जिसको मात्र 5 वर्ष तक जीवन है तो वो बच्चा शिव प्रभु के चरणों में नतमस्तक हो गया और जैसे ही उसका अंतिम समय आया तो उस समय यमराज आया।

Email : thedailymewat@yahoo.co.in

दैनिक मेवात

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000 पार

मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा पाठ : बोधराज सीकरी

– दैनिक मेवात संवाददाता

गुरुग्राम। दिनांक 22 अगस्त, मंगलवार को सनातन धर्म, गौरी शंकर मंदिर सेक्टर – 7 एक्सटेंशन, गुरुग्राम में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गजेंद्र गोसाई शाम 5 बजे कन्याकुमारी से लेंड किये पर उसके बावजूद समय पर पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमें सूत्रधार के रुप में ज्योत्सना बजाज और धर्मेंद्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया।

यानी 6300 पाठ हुए। यद्यपि मंदिर का प्रांगण छोटा था, उसके बावजूद श्रद्धालुओं की भीड़ हर 5 मिनट के अंदर बढ़ती जा रही थी और खचाखच 300 से अधिक श्रद्धालु मंदिर के प्रांगण के अंदर और ना जाने कितने मंदिर के बाहर खड़े होकर के हनुमान चालीसा पाठ का आनंद ले रहे थे। प्रसन्नता की बात यह है कि इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अब आगे बढ़-चढ़कर के आ रही है। हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य का शुभारंभ तुलसीकृत रामायण की चौपाई से किया :

'होई है वही जो राम रचि राखा'

बोधराज सीकरी के कथनानुसार ईश्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता है। उन्होंने एक लघु कथा का उदाहरण देकर के कि किस प्रकार काशी विश्वनाथ में एक बूढ़े ब्राह्मण ने तप कर भोले बाबा को प्रसन्न किया और भोले बाबा से संतान का वरदान मांगा। भोले बाबा ने कहा कि आपको सुपुत्र चाहिए या कुपुत्र। पूछने पर भोले बाबा ने स्पष्ट किया कि कुपुत्र लंबा जिएगा और आपकी सेवा नहीं करेगा लेकिन सपुत्र अल्पायु होगा परन्तु आपकी सेवा करेगा। ब्राह्मण विद्वान थे। उन्होंने सुपुत्र की इच्छा प्रकट की और भोले बाबा ने उन्हें पुत्र तो दिया और बोला मात्र 5 वर्ष यह बालक जिएगा। ब्राह्मण विद्वान थे तो उन्होंने उन पांच वर्षों में उस बालक के अंदर इतने अच्छे आध्यात्मिक संस्कार अंकुरित कर दिए कि जब अंतिम वर्ष आया तो उस बच्चे का रुझान संतों की तरफ हो गया और जो भी संत आये उसे आशीर्वाद देकर जाए। एक दिन ऐसा हुआ कि सप्त ऋषि आए जब मात्र एक सप्ताह उसका जीवन बाकी था। सप्त ऋषियों ने चिरंजीवी और आयुष्मान का वरदान दिया और ब्राह्मण प्रसन्न हो गया। जब सप्त ऋषियों को मालूम हुआ कि इस बालक की मात्र आयु एक सप्ताह है तो वो चिंतित हुए ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी को प्रणाम किया। ब्रह्मा जी ने सप्त ऋषियों को आयुष्मान भव और चिरंजीवी भव का आशीर्वाद दिया। इसी तरह उस बालक ने भी प्रणाम किया उसे भी वही वरदान दिया। जब ब्रह्मा जी को वास्तविकता मालूम हुई तो वो भी चिंतित हुए और सभी सप्त ऋषि मिलकर ब्रह्मा जी के साथ भगवान शिव के दरबार में गए और शिवजी ने भी सभी को चिरंजीवी होने का आशीर्वाद दिया, चाहे वो ब्रह्मा जी हों, चाहे वो सप्त ऋषि हों, चाहे वो नन्हा सा बालक हो। जब शिवजी को पता चला कि यह तो वही बालक है ब्राह्मण पुत्र जिसको मात्र 5 वर्ष तक जीवन है तो वो बच्चा शिव प्रभु के चरणों में नतमस्तक हो गया और जैसे ही उसका अंतिम समय आया तो उस समय यमराज आया। उस समय बच्चा शिवलिंग के पास बैठकर नमः शिवाय का जाप कर रहा था और जैसे ही यमराज आया तो उस बच्चे ने शिवलिंग को आलिंगन किया और शिव साक्षात अपने त्रिशूल के साथ प्रकट हुए। उन्होंने यमराज को अपना और उस बच्चे का राज बताया।

यमराज उस बच्चे को छोड़कर चला गया और वो बच्चा बड़े होकर ऋषि मार्कण्डेय बना जो चिरंजीवी कहलाते हैं जैसे हनुमान जी अमृत्व प्राप्त कर चुके हैं। इस प्रकार मार्कण्डेय ऋषि ने भी अमृत्व प्राप्त किया है। उनके कहने के अनुसार कि असम्भव भी ईश्वर की कृपा से संभव हो सकता है। बशर्ते हमारा ईश्वर के प्रति समर्पण, हमारा प्रेम, हमारी आस्था, हमारी भक्ति बिल्कुल निःस्वार्थ भाव से हो। बोधराज सीकरी के इस वक्तव्य ने सबका मन गद्गद कर दिया।

लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। इसके अतिरिक्त फ्लायर पार्क सुशान्त लोक में 7 लोगों ने पांच-पांच बार पाठ किया। गढ़ी हरसरू में माता वैष्णोदेवी मंदिर में 15 लोगों ने 5 बार पाठ किया। जामपुर शिव मंदिर में 31 लोगों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त सीकरी जी की 44 लोगों की मित्र मंडली श्री सुरिंदर खुल्लर प्रधान श्री केंद्रीय सनातन धर्म सभा की अगुवाई में कन्याकुमारी रामेश्वरम और मदुरै मीनाक्षी गए और सभी ने रोजाना 1-1 बार पाठ किया। कुल 264 बार पाठ हुए। मुहिम में अब तक ये आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई। इस अवसर पर जाने माने समाज सेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओ.पी कालरा, केदारनाथ मक्कड़, सतपाल नासा, दलीप लूथरा प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूए दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी, राम लाल ग्रोवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा , मुल्खराज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज, रचना बजाज, मीनाक्षी मुंजाल, सुंदरी कालरा, सुदेश वाधवा, डॉ. वीना अरोड़ा, यजमान महिंदर गाबा एवं हरीश वर्मा, ज्योति गाबा एवं कंचन वर्मा तथा राजपाल आहूजा, जगदीश मेहता, रमेश खनेजा, जितेंद्र थरेजा, नवीन कुमार, कैलाश सेठी, निर्मला चोपड़ा, चंद्र पोपली, सरला कुमार, कांत मक्कड़, संतोष पाहुजा, सिमरन, मनोज गुप्ता, निधि गुप्ता, राकेश बवेजा, राजपाल नासा, उपस्थित रहे।

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000 पार

ajeybharat Wednesday, August 23, 2023

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000 पार

मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा पाठ : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। दिनांक 23 अगस्त, मंगलवार को सनातन धर्म, गौरी शंकर मंदिर सेक्टर - 7 एक्सटेंशन, गुरुग्राम में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गजेंद्र गोसाई शाम 5 बजे कन्याकुमारी से लेट किये पर उसके बावजूद समय पर पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमें सूत्रधार के रुप में ज्योत्सना बजाज और धर्मेंद्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। यानी 6300 पाठ हुए।

यद्यपि मंदिर का प्रांगण छोटा था, उसके बावजूद श्रद्धालुओं की भीड़ हर 5 मिनट के अंदर बढ़ती जा रही थी और खचाखच 300 से अधिक श्रद्धालु मंदिर के प्रांगण के अंदर और ना जाने कितने मंदिर के बाहर खड़े होकर के हनुमान चालीसा पाठ का आनंद ले रहे थे। प्रसन्नता की बात यह है कि इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अब आगे बढ़-चढ़कर के आ रही है। हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य का शुभारंभ तुलसीकृत रामायण की चौपाई से किया :

"होई है वही जो राम रचि राखा"

बोधराज सीकरी के कथनानुसार ईश्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता है। उन्होंने एक लघु कथा का उदाहरण देकर के कि किस प्रकार काशी विश्वनाथ में एक बूढ़े ब्राह्मण ने तप कर भोले बाबा को प्रसन्न किया और भोले बाबा से संतान का वरदान मांगा। भोले बाबा ने कहा कि आपको सुपुत्र चाहिए या कुपुत्र। पूछने पर भोले बाबा ने स्पष्ट किया कि कुपुत्र लंबा जिएगा और आपकी सेवा नहीं करेगा लेकिन सुपुत्र अल्पायु होगा परन्तु आपकी सेवा करेगा। ब्राह्मण विद्वान थे। उन्होंने सुपुत्र की इच्छा प्रकट की और भोले बाबा ने उन्हें पुत्र तो दिया और बोला मात्र 5 वर्ष यह बालक जिएगा। ब्राह्मण विद्वान थे तो उन्होंने उन पांच वर्षों में उस बालक के अंदर इतने अच्छे आध्यात्मिक संस्कार अंकुरित कर दिए कि जब अंतिम वर्ष आया तो उस बच्चे का रुझान संतों की तरफ हो गया और जो भी संत आये उसे आशीर्वाद देकर जाए। एक दिन ऐसा हुआ कि सप्त ऋषि आए जब मात्र एक सप्ताह उसका जीवन बाकी था। सप्त ऋषियों ने चिरंजीवी और आयुष्मान का वरदान दिया और ब्राह्मण प्रसन्न हो गया। जब सप्त ऋषियों को मालूम हुआ कि इस बालक की मात्र आयु एक सप्ताह है तो वो चिंतित हुए ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी को प्रणाम किया। ब्रह्मा जी ने सप्त ऋषियों को आयुष्मान भव और चिरंजीवी भव का आशीर्वाद दिया। इसी तरह उस बालक ने भी प्रणाम किया उसे भी वही वरदान दिया।

जब ब्रह्मा जी को वास्तविकता मालूम हुई तो वो भी चिंतित हुए और सभी सप्त ऋषि मिलकर ब्रह्मा जी के साथ भगवान शिव के दरबार में गए और शिवजी ने भी सभी को चिरंजीवी होने का आशीर्वाद दिया, चाहे वो ब्रह्मा जी हो, चाहे वो सप्त ऋषि हो, चाहे वो नन्हा सा बालक हो। जब शिवजी को पता चला कि यह तो वही बालक है ब्राह्मण पुत्र जिसको मात्र 5 वर्ष तक जीवन है तो वो बच्चा शिव प्रभु के चरणों में नतमस्तक हो गया और जैसे ही उसका अंतिम समय आया तो उस समय यमराज आया। उस समय बच्चा शिवलिंग के पास बैठकर ॐ नमः शिवाय का जाप कर रहा था और जैसे ही यमराज आया तो उस बच्चे ने शिवलिंग को आलिंगन किया और शिव साक्षात अपने त्रिशूल के साथ प्रकट हुए। उन्होंने यमराज को अपना और उस बच्चे का राज बताया। यमराज उस बच्चे को छोड़कर चला गया और वो बच्चा बड़े होकर ऋषि मार्कण्डेय बना जो चिरंजीवी कहलाते है जैसे हनुमान जी अमृत्व प्राप्त कर चुके है। इस प्रकार मार्कण्डेय ऋषि ने भी अमृत्व प्राप्त किया है। उनके कहने के अनुसार कि असम्भव भी ईश्वर की कृपा से संभव हो सकता है। बशर्ते हमारा ईश्वर के प्रति समर्पण, हमारा प्रेम, हमारी आस्था, हमारी भक्ति बिल्कुल निःस्वार्थ भाव से हो। बोधराज सीकरी के इस वक्तव्य ने सबका मन गद्गद कर दिया।

लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। इसके अतिरिक्त फ्लायर पार्क सुशान्त लोक में 7 लोगों ने पांच-पांच बार पाठ किया। गढ़ी हरसरू में माता वैष्णोदेवी मंदिर में 15 लोगों ने 5 बार पाठ किया। जामपुर शिव मंदिर में 31 लोगों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त सीकरी जी की 44 लोगों की मित्र मंडली श्री सुरिंदर खुल्लर प्रधान श्री केंद्रीय सनातन धर्म सभा की अगुवाई में कन्याकुमारी रामेश्वरम और मदुरै मीनाक्षी गए और सभी ने रोजाना 1-1 बार पाठ किया। कुल 264 बार पाठ हुए।

मुहिम में अब तक ये आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई।

इस अवसर पर जाने माने समाज सेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओ.पी कालरा, केदारनाथ मक्कड़, सतपाल नासा, दलीप लूथरा प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूए दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी, राम लाल ग्रोवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा, मुल्खराज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज, रचना बजाज, मीनाक्षी मुंजाल, सुंदरी कालरा, सुदेश वाधवा, डॉ. वीना अरोड़ा, यजमान महिंदर गाबा एवं हरीश वर्मा, ज्योति गाबा एवं कंचन वर्मा तथा राजपाल आहूजा, जगदीश मेहता, रमेश खनेजा, जितेंद्र धरेजा, नवीन कुमार, कैलाश सेठी, निर्मला चोपड़ा, चंद्र पोपली, सरला कुमार, कांत मक्कड़, संतोष पाहुजा, सिमरन, मनोज गुप्ता, निधि गुप्ता, राकेश बवेजा, राजपाल नासा, उपस्थित रहे।